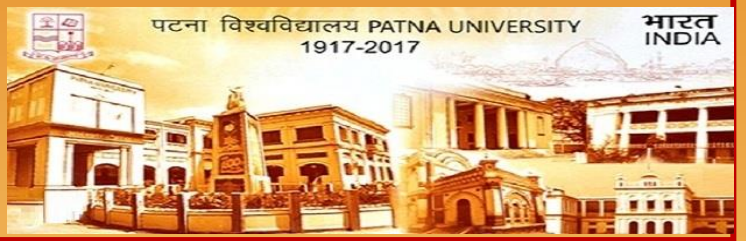

Patna University In News (24.04.2023)

दैनिक भास्कर

पहले यूजी में चार वर्षीय स्नातक कोर्स को लागू किया जाएगा

राज्य के कॉलेजों में एनईपी के तहत पीजी में भी लागू होगा कॉमन सिलेबस

- मल्टीपल एग्जिट और एंट्री की सुविधा

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

पूरे राज्य में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति(एनईपी) लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है। यूजी के बाद अब पीजी में भी नया यूनिफॉर्म सिलेबस लागू किया जाएगा। इसके लिए तैयारी की जा रही है। पहले यूजी में नई शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय स्नातक कोर्स को लागू किया जाएगा। च्वॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के तहत मल्टीपल एग्जिट और मल्टीपल एंट्री को भी लागू किया जाएगा। इसके तहत छात्र तीन वर्ष में स्नातक कोर्स को पूरा कर सकते हैं या चार वर्ष में भी। चार वर्ष का कोर्स करने पर पीजी का कोर्स एक वर्ष में ही पूरा हो जायेगा। साथ ही छात्रों को रिसर्च का भी मौका मिलेगा।

चार वर्षीय स्नातक के लिए 1 साल का होगा पीजी

चार वर्षीय स्नातक कोर्स करने वाले एक वर्ष का और तीन वर्षीय स्नातक करने वाले दो वर्ष का पीजी कोर्स करेंगे। इन दोनों कोर्स के लिए नया कोर्स स्ट्रक्चर तैयार किया जायेगा। यह यूजीसी पर आधारित होगा। पटना विश्वविद्यालय के आईटी सेल के निदेशक बीरेंद्र प्रसाद कहते हैं कि यूजीसी ने इस संबंध में एक ड्राफ्ट वेबसाइट पर शेयर किया है। उसका अध्ययन किया जा रहा है। दो वर्ष वाले कोर्स में अधिक समस्या नहीं है क्योंकि वहां पहले से सेमेस्टर सिस्टम और सीबीसीएस लागू हैं और उसमें आंशिक बदलाव कर काम हो सकता है। एक वर्ष के पीजी कोर्स में कुछ बदलाव की जरूरत होगी। यह इस पर निर्भर करेगा कि चार वर्षीय कोर्स के चौथे वर्ष के दो सेमेस्टर किस तरह के हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को रिसर्च का ऑप्शन भी रहेगा और साथ में थ्योरी भी रहेगी। उसी के अनुसार एक वर्ष का सिलेबस भी तैयार किया जायेगा ताकि छात्र जब चार वर्षीय कोर्स करके आयें तो आगे की पढ़ाई एक वर्ष में कवर हो सके। उन्होंने कहा कि फिलहाल यूजीसी में भी इसको लेकर विमर्श चल रहा है। आने वाले दिनों में पीजी में कोई और भी बदलाव देखने को मिल सकता है। जो भी नया कोर्स स्ट्रक्चर और सिलेबस बनेगा उसमें यूजीसी के दिशा निर्देशों को भी फॉलो करके ही होगा।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधान अब तक राज्य में किसी भी विश्वविद्यालय में लागू नहीं थे। स्नातक चार वर्षीय कोर्स से इसकी शुरुआत इसी सत्र से हो रही है। सीबीसीएस से ही इसकी पढ़ाई होगी। पीयू में सीबीसीएस कोर्स पीजी में दो वर्ष कोर्स पहले से लागू है लेकिन नई शिक्षा नीति के तहत उसमें संशोधन करना होगा। 2025 तक पीजी में एक वर्ष और दो वर्ष कोर्स की पढ़ाई शुरू हो सकती है। **प्रो केसी सिन्हा**, कुलपति, एनओयू।